चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 30 अप्रैल 2026, अंक –268.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

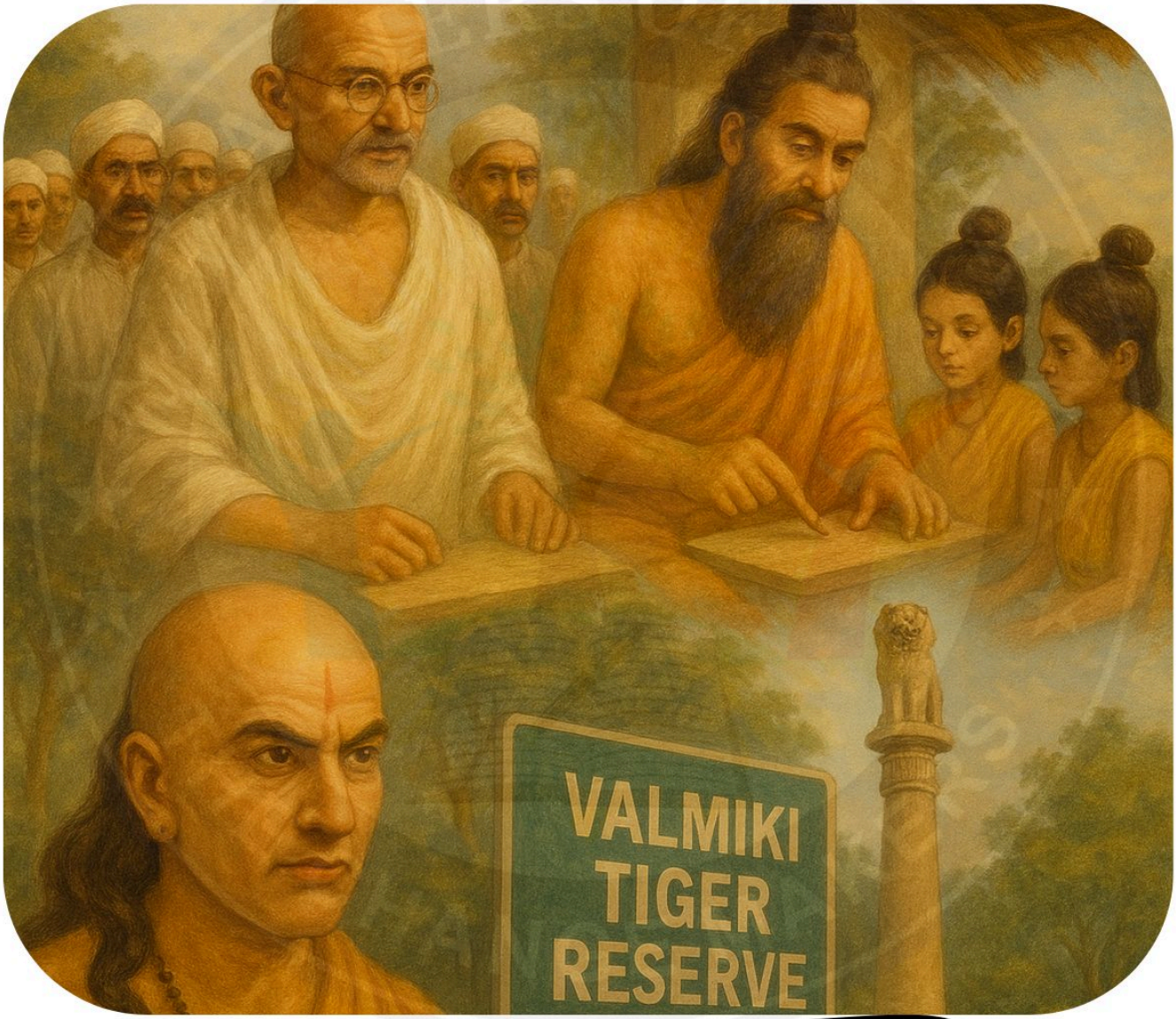

"अनुशासित मन ही महान कार्य कर पाता है।"

— बुद्ध

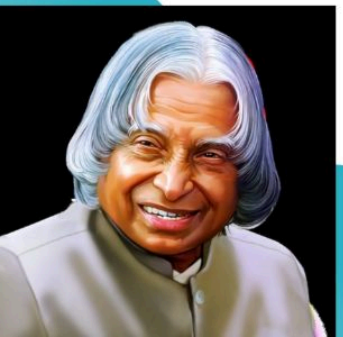

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूंगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अंश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. तमिलनाडु की राजधानी क्या है?
उत्तर: चेन्नई
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला राष्ट्रपति कौन थीं?
उत्तर: प्रतिभा पाटिल
प्रश्न 3. पोंगल पर्व किस फसल से जुड़ा है?
उत्तर: धान
प्रश्न 4. 100 का रोमन संख्या क्या है?
उत्तर: C
प्रश्न 5. बिहार में गंडक नदी किस नदी में मिलती है?
उत्तर: गंगा
प्रश्न 6. ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में है?
उत्तर: हिमाचल प्रदेश
प्रश्न 7. प्रेशर कुकर का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: डेनिस पापिन
प्रश्न 8. भारत के संविधान में संशोधन करने की शक्ति किसके पास है?
उत्तर: संसद
प्रश्न 9. 'सुंदरता' शब्द में कौन-सा प्रत्यय लगा है?
उत्तर: ता
प्रश्न 10. चंद्रमा की रोशनी को क्या कहते हैं?
उत्तर: चांदनी

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Doctor – (डॉक्टर) – चिकित्सक
Nurse – (नर्स) – परिचारिका
Hospital – (हॉस्पिटल) – अस्पताल
Medicine – (मेडिसिन) – दवा
Farmer – (फार्मर) – किसान
Field – (फील्ड) – खेत
Crop – (क्रॉप) – फसल

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वे ... रहे/रही हैं" (They are ...ing)

वे पढ़ रहे हैं। – They are reading.
वे लिख रहे हैं। – They are writing.
वे खेल रहे हैं। – They are playing.
वे खा रहे हैं। – They are eating.
वे सीख रहे हैं। – They are learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 30 अप्रैल को 'आयुष्मान भारत दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह योजना मुख्य रूप से किस क्षेत्र में सुधार के लिए समर्पित है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: स्वास्थ्य सेवा (Health Care)
व्याख्या: 30 अप्रैल को देशभर में 'आयुष्मान भारत' योजना की सफलता को चिह्नित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य देश के गरीब और कमजोर वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ और बीमा कवर प्रदान करना है। यह योजना "स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत" के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।
संदर्भ: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (2026)।

2. हाल ही में 'बिहार सरकार' ने किस जिले में 'राज्य का पहला अत्याधुनिक डिजिटल पुस्तकालय' (Digital Library) आम जनता के लिए समर्पित किया है? (समसामयिकी)
उत्तर: पूर्णिया
व्याख्या: अप्रैल 2026 में पूर्णिया में बिहार के पहले पूर्णतः डिजिटल सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया है। यहाँ छात्र हजारों ई-पुस्तकों, प्रतियोगी परीक्षाओं की पत्रिकाओं और वैश्विक शोध पत्रों तक मुफ्त पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। यह कदम राज्य में डिजिटल शिक्षा और साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है।
संदर्भ: शिक्षा विभाग, बिहार सरकार (अप्रैल 2026)।

3. "कादम्बरी" नामक सुप्रसिद्ध ग्रंथ के रचयिता कौन हैं, जिसे विश्व का प्रथम 'उपन्यास' (Novel) माना जाता है? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: बाणभट्ट
व्याख्या: बाणभट्ट सम्राट हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। 'कादम्बरी' संस्कृत साहित्य का एक अद्भुत गद्य काव्य है। इसमें पुनर्जन्म और प्रेम की एक जटिल कथा का वर्णन है। बाणभट्ट की अलंकृत शैली और विस्तृत वर्णन क्षमता के कारण इसे गद्य साहित्य का शिखर माना जाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 1, पृष्ठ 8।

4. पारिस्थितिकी तंत्र में 'खाद्य श्रृंखला' (Food Chain) के प्रत्येक चरण में उपलब्ध कार्बनिक पदार्थ की कितनी प्रतिशत मात्रा अगले उपभोक्ता तक पहुँचती है? (पर्यावरण)
उत्तर: लगभग 10%
व्याख्या: लिंडेमैन के '10 प्रतिशत नियम' के अनुसार, एक पोषण स्तर से दूसरे पोषण स्तर पर केवल 10% ऊर्जा का ही स्थानांतरण होता है। शेष 90% ऊर्जा श्वसन, पाचन और ऊष्मा के रूप में पर्यावरण में नष्ट हो जाती है। इसी कारण खाद्य श्रृंखला में स्तरों की संख्या सीमित होती है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 15 (हमारा पर्यावरण), पृष्ठ 258।

5. हड़प्पा सभ्यता के किस नगर से 'हल के प्रतिरूप' (Terracotta models of plough) मिले हैं, जो उस समय की उन्नत खेती का प्रमाण हैं? (इतिहास)
उत्तर: बनावली (हरियाणा)
व्याख्या: बनावली से मिट्टी के बने हल मिले हैं, जिससे पता चलता है कि हड़प्पा के लोग खेती के लिए हल का उपयोग करते थे। सिंधु घाटी सभ्यता के लोग गेहूँ, जौ, दालें और कपास जैसी फसलें उगाते थे। यह पुरास्थल प्राचीन भारतीय कृषि की समृद्ध परंपरा का गवाह है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 3 (आरंभिक नगर), पृष्ठ 29।

6. भारत का वह कौन सा राज्य है जिसकी सीमाएं तीन अंतरराष्ट्रीय देशों—नेपाल, चीन और भूटान—से लगती हैं? (भूगोल)
उत्तर: सिक्किम
व्याख्या: सिक्किम की भौगोलिक स्थिति सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। इसके पश्चिम में नेपाल, उत्तर में चीन और पूर्व में भूटान स्थित है। यह भारत का एकमात्र राज्य है जिसकी सीमाएं तीन संप्रभु राष्ट्रों को स्पर्श करती हैं।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1 (भारत - आकार और स्थिति), पृष्ठ 6।
7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद

7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'ग्राम पंचायतों के संगठन' (Organisation of Village Panchayats) का निर्देश दिया गया है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 40
व्याख्या: राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 40 यह निर्देश देता है कि राज्य ग्राम पंचायतों को व्यवस्थित करेगा और उन्हें स्वशासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने के लिए आवश्यक शक्तियाँ प्रदान करेगा। यह गांधीवादी विचारधारा और विकेंद्रीकृत लोकतंत्र का आधार है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 8, पृष्ठ 178।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें एक अभिकारक से 'ऑक्सीजन का योग' (जुड़ना) होता है, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: उपचयन (Oxidation)
व्याख्या: किसी पदार्थ में ऑक्सीजन का जुड़ना या हाइड्रोजन का निकलना 'उपचयन' कहलाता है। इसके ठीक विपरीत, ऑक्सीजन का निकलना 'अपचयन' (Reduction) कहलाता है। दैनिक जीवन में लोहे पर जंग लगना उपचयन अभिक्रिया का एक प्रमुख उदाहरण है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1 (रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं

9. विश्व प्रसिद्ध 'लिंगराज मंदिर' (भुवनेश्वर) का निर्माण किस राजवंश के काल में हुआ था, जो नागर शैली का उत्कृष्ट नमूना है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: सोमवंश (Somavamsi Dynasty)
व्याख्या: 11वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसका भव्य शिखर लगभग 180 फीट ऊँचा है। मंदिर की दीवारों पर की गई सूक्ष्म नक्काशी और इसकी वास्तुकला कलिंग शैली के चरमोत्कर्ष को दर्शाती है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 6।

10. बिहार के किस जिले में 'ककोलत जलप्रपात' (Kakolat Waterfall) स्थित है, जिसे राज्य का एक प्रमुख पर्यटन स्थल माना जाता है? (बिहार GK)
उत्तर: नवादा
व्याख्या: नवादा जिले के ककोलत की पहाड़ियों में स्थित यह जलप्रपात अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शीतल जल के लिए प्रसिद्ध है। लगभग 150 फीट की ऊँचाई से गिरने वाला यह प्रपात पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। इसे 'बिहार का नियाग्रा' भी कहा जाता है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; SCERT बिहार कक्षा 9 भूगोल।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (अप्रैल W3): लू (Heat Wave) से बचने के लिए धूप में निकलते समय किस रंग के कपड़े पहनना अधिक सुरक्षित होता है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: हल्के रंग के सूती कपड़े
व्याख्या: आपदा कैलेंडर 2026 (अप्रैल W3) के अनुसार, लू से बचाव के लिए गहरे रंग के कपड़ों से बचना चाहिए क्योंकि वे ऊष्मा (गर्मी) को अधिक सोखते हैं। हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पसीना सोखने और शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं। इसके साथ ही, धूप में सिर को टोपी या रुमाल से ढकना अनिवार्य है।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026, पृष्ठ 7।

12. 'विटामिन A' का संबंध जो 'रतौंधी' से है, वही संबंध 'विटामिन C' का किससे होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: स्कर्वी (Scurvy)
व्याख्या: यह 'सादृश्यता' (Analogy) का प्रश्न है। जिस प्रकार विटामिन A की कमी से 'रतौंधी' नामक बीमारी होती है, उसी प्रकार विटामिन C की कमी से 'स्कर्वी' नामक मसूड़ों की बीमारी होती है। यह प्रश्न छात्रों के स्वास्थ्य संबंधी सामान्य ज्ञान और तार्किक संबंध की परीक्षा लेता है।
संदर्भ: NTSE मानसिक योग्यता अभ्यास (सादृश्यता परीक्षण)।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Kudos (क्यूडोस) = Praise (प्रेज़) = प्रशंसा
Antonym – Criticism (क्रिटिसिज़्म) = आलोचना
Lure (ल्यूअर) = Attract (अट्रैक्ट) = आकर्षित करना
Antonym – Repel (रिपेल) = दूर करना
Mollify (मॉलिफ़ाई) = Pacify (पैसिफ़ाई) = शांत करना
Antonym – Agitate (एजिटेट) = उत्तेजित करना
Nullify (नलिफ़ाई) = Cancel (कैंसल) = निरस्त करना
Antonym – Validate (वैलिडेट) = मान्य करना
Obstinate (ऑब्स्टिनेट) = Stubborn (स्टबर्न) = जिद्दी
Antonym – Flexible (फ्लेक्सिबल) = लचीला

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister addresses 'National Science Conclave 2026'; announces 'Mission Deep-Ocean 2.0' to explore rare earth minerals in the Indian Ocean.
प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन 2026' को संबोधित किया; हिंद महासागर में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की खोज के लिए 'मिशन डीप-ओशन 2.0' की घोषणा की।

ISRO successfully completes 'Pushpak-3' autonomous landing experiment; milestone in developing India's first fully Reusable Launch Vehicle (RLV).
इसरो ने 'पुष्पक-3' का सफल स्वायत्त लैंडिंग प्रयोग पूरा किया; यह भारत के पहले पूरी तरह से पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान (RLV) को विकसित करने की दिशा में बड़ा मील का पत्थर है।

Ministry of Education and NCERT launch 'Anubhavi-Kosh' portal to store and share digital research projects of school students nationwide.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने देशभर के स्कूली छात्रों के डिजिटल शोध परियोजनाओं को साझा करने के लिए 'अनुभवी-कोश' पोर्टल लॉन्च किया।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'Space Resource Governance Treaty'; mandates equitable sharing of lunar and asteroidal resources among nations.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'अंतरिक्ष संसाधन शासन संधि' अपनाई; राष्ट्रों के बीच चंद्रमा और क्षुद्रग्रह संसाधनों के न्यायसंगत साझाकरण को अनिवार्य किया गया।

BBC News: G20 Finance Ministers pledge $50 billion for 'Global Green-Tech Fund' to accelerate EV infrastructure in Global South.
बीबीसी न्यूज़: G20 वित्त मंत्रियों ने 'ग्लोबल साउथ' में ईवी (EV) बुनियादी ढांचे को तेज करने के लिए 50 बिलियन डॉलर के 'ग्लोबल ग्रीन-टेक फंड' की प्रतिबद्धता जताई।

World Health Organization (WHO) grants 'Eradication Status' to 5 nations for defeating a persistent variant of Tropical Disease.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने एक हठी उष्णकटिबंधीय रोग के संस्करण को हराने के लिए 5 देशों को 'उन्मूलन का दर्जा' (Eradication Status) प्रदान किया।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Mithila Cultural Research Institute' in Darbhanga to preserve and digitize ancient folk arts and literature.
बिहार सरकार प्राचीन लोक कलाओं और साहित्य के संरक्षण हेतु दरभंगा में 'मिथिला सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान' स्थापित करेगी; BPSC के लिए महत्वपूर्ण।

SCERT Bihar launches 'Shikshak Samarth-2' program to train 1 lakh primary teachers in AI-integrated teaching methodologies. एससीईआरटी बिहार ने 1 लाख प्राथमिक शिक्षकों को एआई-एकीकृत शिक्षण पद्धतियों में प्रशिक्षित करने के लिए 'शिक्षक समर्थ-2' कार्यक्रम शुरू किया।

SPORTS NEWS

India wins Women's Asian Cup Table Tennis 2026 title; Sreeja Akula clinches historic gold in the singles final in Tokyo.
भारत ने महिला एशियाई कप टेबल टेनिस 2026 का खिताब जीता; श्रीजा अकुला ने टोक्यो में खेले गए एकल फाइनल में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता।

Ministry of Sports integrates 'Bio-mechanics Analysis' for all state-level athletic meets to identify Olympic-standard talent at the grassroots.
खेल मंत्रालय ने जमीनी स्तर पर ओलंपिक मानकों वाली प्रतिभाओं की पहचान करने के लिए सभी राज्य स्तरीय एथलेटिक मीट में 'बायो-मैकेनिक्स विश्लेषण' को एकीकृत किया।

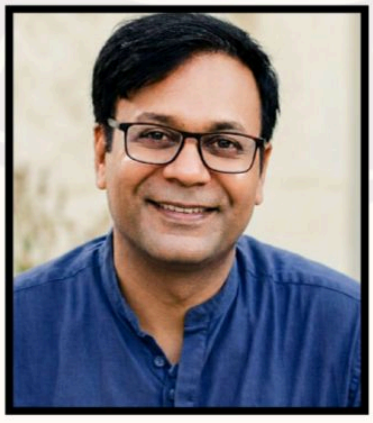

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग
"तालमेल का जादू"

विद्यालय में वार्षिक कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी। इस बार विशेष प्रस्तुति के लिए अलग-अलग कक्षाओं के छात्रों को एक साथ लाया गया। लेकिन समस्या यह थी कि कोई ढोलक बजाना चाहता था, कोई गिटार, कोई गाना गाना चाहता था—सब अपनी-अपनी धुन में थे।

रोहित बोला— "मेरी धुन सबसे अच्छी है, सबको इसी पर चलना चाहिए!"

सोहन ने कहा— "नहीं, हर किसी को अपनी-अपनी शैली में रहना चाहिए।"

धीरे-धीरे बहस बढ़ने लगी और अभ्यास रुक गया।

तभी मैडम जी आईं और बोलीं—

"अगर हर कोई अपनी-अपनी धुन बजाएगा, तो क्या सुंदर संगीत बन पाएगा?"

सभी चुप हो गए।

मैडम जी ने एक छोटा-सा प्रयोग कराया। उन्होंने सबको एक ही ताल पर ताली बजाने को कहा। जब सब एक साथ ताल में आए, तो एक सुंदर लय बनने लगी।

फिर उन्होंने समझाया—

"संगीत का असली जादू तालमेल (Coordination) में होता है। अलग-अलग सुर तभी अच्छे लगते हैं, जब वे एक-दूसरे के साथ मेल खाते हैं।"

अब सभी छात्रों को बात समझ आ गई। उन्होंने मिलकर अभ्यास किया—

गायक ने अपनी आवाज़ को वाद्ययंत्रों के साथ मिलाया।

वादक ने दूसरों की गति के अनुसार ताल बनाई।

सबने एक-दूसरे को सुनना और समझना सीखा।

कार्यक्रम के दिन उनकी प्रस्तुति शानदार रही। पूरे विद्यालय में तालियों की गूंज फैल गई।

रोहित ने मुस्कुराकर कहा— "आज समझ आया—अकेले अच्छा होना काफी नहीं, साथ मिलकर अच्छा होना ज्यादा जरूरी है।"

🌟 संदेश : "तालमेल ही सफलता का सबसे सुंदर संगीत है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

5+3+3+4 संरचना — बच्चों के विकास का वैज्ञानिक आधार

शिक्षक साथियों, अब तक हमारी शिक्षा व्यवस्था 6 वर्ष की आयु से शुरू होती थी, लेकिन NEP 2020 ने स्वीकार किया है कि बच्चे के मस्तिष्क का 85% विकास 6 वर्ष की आयु से पहले हो जाता है। इसी आधार पर '10+2' के पुराने ढांचे को बदलकर '5+3+3+4' में ढाला गया है। यह केवल अंकों का खेल नहीं है, बल्कि यह बच्चे की उम्र और उसके मानसिक विकास के चरणों के अनुसार सीखने का एक व्यवस्थित क्रम है। इस नए ढांचे का सबसे बड़ा लाभ यह है कि अब 'आंगनवाड़ी' या 'प्री-स्कूल' की शिक्षा को भी औपचारिक स्कूली शिक्षा का अभिन्न अंग मान लिया गया है।

आइए इसे सरल तरीके से समझते हैं:

- 5 (Foundational - बुनियादी): इसमें 3 साल प्री-स्कूल और कक्षा 1-2 शामिल हैं (आयु 3-8 वर्ष)। यहाँ कोई भारी बस्ता या परीक्षा नहीं होगी; केवल खेल-कूद और गतिविधि आधारित शिक्षा होगी।
- 3 (Preparatory - प्रारंभिक): कक्षा 3 से 5 (आयु 8-11 वर्ष)। यहाँ से हल्की पाठ्यपुस्तकों और खेल-खेल में विषयों का परिचय शुरू होगा।
- 3 (Middle - मध्य): कक्षा 6 से 8 (आयु 11-14 वर्ष)। यहाँ से विषय-विशेषज्ञों द्वारा अमूर्त अवधारणाओं (Abstract Concepts) और व्यावसायिक कौशल (Vocational Skills) की शुरुआत होगी।
- 4 (Secondary - माध्यमिक): कक्षा 9 से 12 (आयु 14-18 वर्ष)। यहाँ विषयों के चुनाव की पूरी स्वतंत्रता होगी और आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking) पर ध्यान दिया जाएगा।

उदाहरण:

इसे एक ग्रामीण प्राथमिक विद्यालय की स्थिति से समझते हैं। पुराने ढांचे में, यदि एक 4 साल का बच्चा स्कूल परिसर में आता था, तो हम उसे 'अनौपचारिक' मानते थे और कक्षा 1 से ही उस पर अक्षरों को पहचानने का दबाव शुरू हो जाता था। लेकिन नए '5' (बुनियादी चरण) के तहत, वह बच्चा स्कूल का हिस्सा है। शिक्षक उसे रटाने के बजाय केवल कागज़ पर लकीरें खींचने, मिट्टी के खिलौने बनाने या कहानियाँ सुनने-सुनाने में व्यस्त रखेगा। इसका लाभ यह होगा कि जब वह बच्चा कक्षा 3 (प्रारंभिक चरण) में पहुंचेगा, तो उसका जुड़ाव स्कूल से इतना गहरा हो चुका होगा कि वह पढ़ाई को 'बोझ' नहीं बल्कि 'आनंद' समझेगा। यहाँ शिक्षक की भूमिका एक अनुशासक के बजाय एक सह-खिलाड़ी की हो जाती है।

शिक्षक साथियों, इस नई संरचना का मुख्य उद्देश्य 'ड्रॉप-आउट' दर को कम करना और नींव को मज़बूत करना है। जब बच्चे को शुरुआत के 5 सालों में अपनी भाषा में खेलने और सीखने का अवसर मिलता है, तो वह जीवन भर के लिए एक 'सीखने वाला' (Learner) बन जाता है। इस ढांचे का क्रियान्वयन सफल बनाना हम प्राथमिक शिक्षकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि हम उस 'नींव' (5 साल) के निर्माता हैं।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमें उम्र के साथ सीखने की जटिलता को धीरे-धीरे बढ़ाना है, न कि पहले दिन से ही बच्चे पर किताबों का बोझ डालना है। 5+3+3+4 ढांचा हमें यह अवसर देता है कि हम बच्चे के बचपन को बचाते हुए उसे भविष्य के लिए तैयार करें। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा की गतिविधियाँ बच्चे की मानसिक आयु और इस नए ढांचे के अनुरूप हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 43

हुनर से रोजगार – इलेक्ट्रिकल और होम अप्लायंसेज रिपेयरिंग में कैरियर

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

आज के आधुनिक युग में शायद ही कोई ऐसा घर होगा जहाँ बिजली के उपकरण जैसे—फ्रिज, वॉशिंग मशीन, मिक्सर ग्राइंडर, एयर कंडीशनर (AC) या पंखे का उपयोग न होता हो। जैसे-जैसे इन उपकरणों का उपयोग बढ़ रहा है, इन्हें ठीक करने वाले कुशल मैकेनिकों की मांग भी बढ़ती जा रही है। यदि आपने अभी-अभी मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है और आप कम समय में एक ऐसा हुनर सीखना चाहते हैं जिससे आप स्वयं का मालिक बन सकें, तो यह क्षेत्र आपके लिए सर्वोत्तम है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

यह एक पूर्णतः कौशल आधारित (Skill-based) कोर्स है। इसमें बिजली की वायरिंग से लेकर आधुनिक घरेलू उपकरणों की मरम्मत (Repairing) और रखरखाव (Maintenance) सिखाया जाता है।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण।
- अवधि: 3 महीने से लेकर 1 वर्ष तक (कोर्स के प्रकार पर निर्भर)।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में इस हुनर को सीखने के लिए कई सरकारी रास्ते उपलब्ध हैं:

- बिहार कौशल विकास मिशन (BSDM): 'कुशल युवा कार्यक्रम' और 'मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना' के तहत विभिन्न केंद्रों पर निःशुल्क या बहुत कम शुल्क पर प्रशिक्षण दिया जाता है।
- महिला एवं पुरुष आईटीआई (ITI): 'इलेक्ट्रिशियन' या 'कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स' ट्रेड में नामांकन ले सकते हैं।
- जन शिक्षण संस्थान (JSS): यह भारत सरकार की पहल है जो ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे वोकेशनल कोर्स कराती है।
- वेबसाइट: skillmissionbihar.org और jss.nic.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस कोर्स को करने के बाद रोजगार के अनेक द्वार खुलते हैं:

- कंपनियों में नौकरी: सैमसंग, एलजी, वोल्टास जैसी कंपनियों के सर्विस सेंटर में 'सर्विस इंजीनियर' के रूप में।
- स्वरोजगार (Self-Employment): आप अपनी खुद की रिपेयरिंग शॉप खोल सकते हैं। बिहार जैसे राज्य में, जहाँ शहरीकरण बढ़ रहा है, एक कुशल मैकेनिक महीने के ₹20,000 से ₹40,000 आसानी से कमा सकता है।
- अनुबंध आधारित कार्य: बड़े अपार्टमेंट्स, मॉल्स और सरकारी दफ्तरों में इलेक्ट्रिशियन के रूप में।

4. वित्तीय सहायता:

- मुद्रा लोन (PMMY): यदि आप कोर्स के बाद अपनी दुकान खोलना चाहते हैं, तो भारत सरकार के 'मुद्रा योजना' के तहत आपको बिना गारंटी के ₹50,000 से ₹10 लाख तक का ऋण मिल सकता है।
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY): इस योजना के तहत प्रशिक्षण लेने पर प्रमाण पत्र के साथ-साथ कुछ आर्थिक प्रोत्साहन राशि भी सीधे बैंक खाते में दी जाती है।
- वेबसाइट: mudra.org.in

मेरी सलाह: हुनर कभी बेकार नहीं जाता। यदि आप पढ़ाई के साथ-साथ आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहते हैं, तो इस तकनीकी कौशल को जरूर सीखें।

कल के पत्र (संख्या 44) में हम इंटरमीडिएट के बाद 'योग और प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान' जैसे स्वास्थ्य और कल्याण (Wellness) से जुड़े आधुनिक कैरियर पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

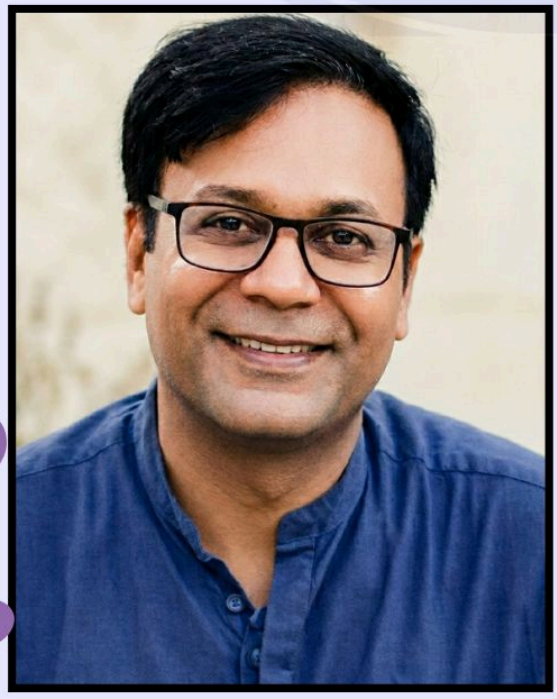

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org